

Class VI H. Hindi Ch- 2

①

मौखिक-

क) वेश-भूषा में परिवर्तन होने के कारण लेखक विजय काका को नहीं पहचान पाए। अब वे कोट-पैंट, टाई और चमचमाते जूते के स्थान पर खादी का कुर्ता-पजामा और साधारण-सी चप्पल पहनने लगे थे।

ख) खेतों में दो-दो ट्रैक्टर घर में पशुधन हरी-भरी सब्जियों की बगीची, लहलहाते खेत, फलों के बड़े बगीचे आदि को ही लेखक ने काका का अमोखा संसार कहा है।

ग) काका दूसरे गाँवों में रोगियों का हाल-चाल पूछने गए थे।

घ) काका को अपना देश प्यारा था। उन्होंने अपने ही देश में रहकर गाँवों की हालत सुधारने और किसानों की सेवा करने को ठन ली थी इसलिए वे विदेशों में नहीं रहे।

लिखित-

क) विजय ने जिस गाँव में भ्रमण किया, उस गाँव के सारे घर पक्के थे। सभी घरों के आगे गायें बँधी थीं।

गाँवों के बीच एक पाठशाला थी। सब बच्चे साफ-सुथरे कपड़े पहने हुए थे। लोग स्वस्थ तथा दृष्ट-पुष्ट थे।

ख) पैदावार में बढ़ोतरी के लिए खेती करने की सही और आधुनिक विधि अपनाई जाए। आधुनिक कृषि-उपकरणों का प्रयोग, साफ-सफाई के प्रति जागरूकता, समुचित उपचार-व्यवस्था एवं शिक्षा आदि से गाँवों का स्वरूप बदला जा सकता है।

ग) विष्णु काका सच्चे अर्थों में इन्सान थे वे दूसरों के लिए जीने में ही आनंद अनुभव करते थे। वे बहुत विद्वान् थे, अमरीका में शिक्षा प्राप्त कर देश की भलाई के लिए विदेश के ऐश्वर्यपूर्ण जीवन को छोड़कर स्वदेश लौट आए। विष्णु काका बहुत ही मिलनसार एवं स्नेही व्यक्ति थे उनका जीवन - शैली में परोपकार, समाजसेवा, त्याग सहयोग एवं सहानुभूति का महत्वपूर्ण स्थान था। वे दूसरों के हित और विकास के लिए जीने में विशेष सुख का अनुभव करते थे। उन्होंने धान, गेहूँ एवं मक्का पर महत्वपूर्ण खोज की जिसके लिए सरकार ने उन्हें पुरस्कृत किया।

घ) विष्णु काका दूसरों के लिए जीते थे। जो व्यक्ति जगहिन के लिए काम करता है उसके चेहरे पर अलग चमक दिखाई देती है। इसलिए विजय को काका के चेहरे पर चमक दिखाई दे रही थी।

भाव स्पष्टीकरण -

(i) जो व्यक्ति के लिए जीता है वह आदमी नहीं देवता होता है। करुणामय विष्णु काका दूसरों के लिए जीते थे अतः उन्हें देवता स्वरूप कहा है।

(ii) कृषि-विज्ञान के क्षेत्र में विष्णु काका ने बड़े महत्वपूर्ण कार्य

(3)

classmate

Date _____

Page _____

क्रिए। वे जो श्री काम हाथ में लेते उसमें उन्हें सफलता प्राप्त होती थी।

(ii) अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के हित और विकास के लिए जीने में एक विशेष प्रकार का सुख और आनंद है।

अभ्यास

श्रुतलेख

उत्सुकता, शाबाश, आश्चर्य, अनुसंधान, संस्थान, प्रलोभन, पुरस्कार, जिज्ञासा, प्रामाणिक, हट्ट-पुष्ट, कायाकल

पाठ से...

● मौखिक

- क. विजय विभु काका को क्यों नहीं पहचान पाया?
- ख. काका का अनोखा संसार किसे कहा गया है?
- ग. काका दूसरे गाँव में क्या करने गए थे?
- घ. विभु काका विदेश में क्यों नहीं रहे?

उद्देश्य:- Oral Expression

- comprehension
- recall

● लिखित

- क. विजय ने जोपगाड़ी से जिस गाँव का भ्रमण किया उसकी क्या विशेषता थी?
- ख. कौन-सी बातें हैं जिनसे गाँवों का स्वरूप बदला जा सकता है?
- ग. विभु 'का' किस तरह के व्यक्ति थे? उनकी स्वस्थ जीवन-शैली के बारे में लगभग साठ-सत्तर शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए।
- घ. विजय को काका के चेहरे पर अनोखी चमक क्यों दिखाई दे रही थी?

उद्देश्य:- Written Expression

- comparison
- reasoning
- inference
- healthy lifestyle
- yes-no

भाव स्पष्ट कीजिए—

- i. विभु 'का' आदमी नहीं, देवता हैं।
- ii. सफलता उनके कदम चूमती थी।
- iii. दूसरों के लिए जीने का सुख कुछ और ही होता है।

हाँ/नहीं में उत्तर दीजिए—

- क. विभु 'का' खादी का कुरता-पाजामा पहनने लगे थे।
- ख. अमरीका से भारत लौटने पर काका वर्षों तक पूसा कृषि अनुसंधान संस्थान में काम करते रहे।

हाँ
नहीं

• yes or no

5

ग. काका ने आलू की खेती पर महत्त्वपूर्ण खोज की।

.....नहीं.....

घ. सरकार की ओर से उन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुए।

.....हैं.....

ड. लोगों को खेती की नई तकनीकों से परिचित कराने हेतु काका ने गाँव में एक स्कूल खोला।

.....नहीं.....

च. गाँव के लोग विभु 'का' को देवता मानने लगे थे।

.....हैं.....

● सोचकर लिखिए—

विद्यार्थी के रूप में आप अपनी कर्तव्यपरायणता का परिचय कैसे दे सकते हैं?

Values

- love for motherland
- sense of social responsibility
- co-operation



भाषा से...

1. नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए—

i. काका के मुख पर प्रसन्नता झलक उठी।

ii. सफलता उनके कदम चूमती थी।

प्रसन्नता, सफलता — इन शब्दों के अंत में ता शब्दांश जुड़ा है।

• abstract noun
• suffix

ऐसे शब्दांश जो शब्द के अंत में लगकर नए शब्द बनाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

● नीचे दिए शब्दों में 'ता' प्रत्यय जोड़कर भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए—

उदार — उदारता

कायर — कायरता

सरल — सरलता

सुंदर — सुंदरता

वीर — वीरता

महान — महानता

2. पर्यायवाची शब्द चुनकर लिखिए—

• synonyms

विद्यालय, अमर, जग, सुर, प्रमुदित, शिक्षालय, देव, जगत, हर्षित, स्कूल, आनंदित, दुनिया

संसार — जग

जगत

दुनिया

पाठशाला — विद्यालय

शिक्षालय

स्कूल

देवता — अमर

सुर

देव

प्रसन्न — प्रमुदित

आनंदित

हर्षित

3. कहानी में बदले-बदले, बिस्तर-विस्तर, साफ़-सुधरे जैसे शब्द-प्रयोग आए हैं। इन्हें **शब्द-युग्म** कहते हैं। भाषा में कुछ शब्द-युग्मों (जोड़े) का प्रयोग होता है जो अलग-अलग तरह के होते हैं। कुछ शब्द पुनरुक्त होते हैं वे अपने आपको दोहराते हैं। कुछ समानार्थी होते हैं तो कुछ एक-दूसरे के विलोम होते हैं। कुछ शब्दों में पहला शब्द सार्थक होता है तो दूसरा निरर्थक। इस आधार पर शब्द-युग्म चार प्रकार के होते हैं। जैसे—

• शब्द-युग्म

- क. शब्दों का दुहराव (पुनरावृत्ति) : अपने-अपने, जैसे-जैसे, कैसे-कैसे आदि।
- ख. समानार्थी : सगा-संबंधी, आदर-सत्कार, जैसे-तैसे आदि।
- ग. विलोम शब्द-युग्म : इधर-उधर, देश-विदेश, ऊपर-नीचे आदि।
- घ. सार्थक-निरर्थक : चाय-बाय, लोट-पोट, खटर-पटर आदि।

4. पाठ में आए शब्द-युग्म चुनकर लिखिए—

पुनरुक्त	समानार्थी	सार्थक-निरर्थक
...बदले-बदले...	...साफ़-सुधरे...	...बिस्तर-विस्तर...
...धर-धर...	...रिश्ते-जाते...	...बात-बात...
...गाँव-गाँव...	...होटल-क्लब...	...चाय-बाय...

4. 'ने' का प्रयोग

• 'ने' का प्रयोग

- विभु 'का' ने अमरीका में कृषि-विज्ञान की पढ़ाई की थी।
- तुमने खाना खाया या नहीं?
- आपने यह चमत्कार कैसे किया?
- 'ने' का प्रयोग सामान्य रूप में क्रिया के सकर्मक रूप के साथ भूतकाल में होता है।
जैसे—किसानों ने सब्जियाँ उगाईं। उसने खाना खा लिया।
- संज्ञा शब्दों (विभु 'का', लोगों) के साथ 'ने' संज्ञा से अलग लिखा जाता है।
- सर्वनाम शब्दों के साथ 'ने' जोड़कर (तुमने, आपने) लिखा जाता है।

5. 'ने' का सही प्रयोग करके वाक्य शुद्ध कीजिए—

- i. मोहित रोटी खाई।
मोहित ने रोटी खाई।
- ii. प्रधानमंत्री देशवासियों को संबोधित किया।
प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संबोधित किया।
- iii. महात्मा गांधी नारा दिया—करो या मरो।
महात्मा गाँधी ने नारा दिया—करो या मरो।
- iv. पंडित पैसा-पैसा बचाकर रुपए जोड़े।
पंडित ने पैसा-पैसा बचाकर रुपए जोड़े।
- v. अध्यापिका पाठ पढ़ाना शुरू कर दिया।
अध्यापिका ने पाठ पढ़ाना शुरू कर दिया।

5. निम्नलिखित वाक्यों में **संज्ञा शब्द** रेखांकित करके उनके भेद लिखिए—

- विभु 'का' एकदम बदल गए थे।
- उनके मुख पर प्रसन्नता झलकी।
- सफलता उनके कदम चूमती थी।
- वे यूरोप, अमरीका की यात्रा पर निकल जाते।
- उनके चेहरे पर स्नेह और चमक दिखाई दे रही थी।

..... व्यक्तिवाचक संज्ञा
 जातिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा
 भाववाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा
 व्यक्तिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा
 जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा

6. नीचे लिखे **अपठित गद्यांश** को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

बड़े-बड़े विद्वानों, समाज सेवकों और महापुरुषों ने संघर्ष को ही जीवन माना है। नदी के बहते जल को देखकर आपको यह नहीं समझना चाहिए कि उसका जल बिना किसी टकराव के बह रहा है। सागर तक पहुँचनेवाले रास्ते में उसे चट्टानों, पत्थरों और लोहा-लकड़ से भिड़ने जैसी कई समस्याओं से संघर्ष करने के बाद ही अपनी मंजिल मिलती है। क्या आप जानते हैं कि बिल्ली कबूतर को कैसे मार गिराती है? वास्तव में आक्रमण होने से पहले ही कबूतर अपनी हार स्वीकार कर लेता है और अपनी आँखें बंद कर लेता है। वह नहीं जानता कि आँखें बंद करने से खतरा नहीं टलता, खतरा टलता है संघर्ष करने से। यदि आँखें बंद न करके संघर्ष करता तो वह उड़ भी सकता था; जीवन जीने का नाम नहीं, जीवन संघर्ष का नाम है। जो डर गया, वह मर गया।

- संघर्ष को जीवन किसने माना है?
- नदी को अपनी मंजिल कैसे मिलती है?
- कबूतर आँखें बंद करके क्या समझता है?
- बिल्ली कबूतर को मारने में सफल क्यों हो जाती है?
- गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

• comprehension
 • reasoning
 • शीर्षक

सुझावित नचनात्मक गतिविधियाँ

अपनी रुचि के अनुसार कोई एक गतिविधि चुनकर कीजिए—

- 'अपने लिए जिए तो क्या जिए, जीवन उसी का है जो औरों के लिए जिए।' कहानी से मिले इस संदेश को सूक्ति के रूप में लिखकर कक्षा में टाँगिए।
- 'गाँवों का बदलता रूप' विषय पर कक्षा में वार्ता आयोजित कीजिए।
- गाँव यदि अपनी कहानी सुनाए तो क्या कहेगा? आत्मकथा रूप में लिखिए।

• message • discussion
 • autobiography
 • presentation
M.I.
 - linguistic
 - interpersonal

पाठ से आगे

अपने आसपास के किसी गाँव का भ्रमण कीजिए। वहाँ के रहन-सहन, शिक्षा की स्थिति, रोजगार के अवसरों आदि पर जानकारी जुटाइए और प्रेजेंटेशन तैयार कर कक्षा में दिखाइए।